# बपतिस्मा और परमेश्वर के साथ आपका रिश्ता (भाग 2)

*बाइबल हमें क्या सिखाती है?* किताब के अध्याय 18 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

**मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।**

## बपतिस्मा लेकर मसीही बनने के लिए एक इंसान को क्या करना होगा?

### 1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग शायद क्या कहें?

_____

_____

***आप*** क्या मानते हैं?

_____

_____

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

_____

_____



www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

## 2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

**बपतिस्मा लेने के लिए एक इंसान को ऐसी ज़िंदगी जीनी होगी जिससे परमेश्वर खुश हो।**
(*सिखाती है* किताब के अध्याय 18 के पैराग्राफ 8-13 देखें।)

**यिर्मयाह 20:9; 2 कुरिंथियों 4:13 पढ़िए।**
विश्वास एक इंसान को क्या करने के लिए उभारेगा?

**प्रेषितों 3:19 पढ़िए।**
परमेश्वर को अपना जीवन समर्पित करने से पहले एक इंसान को क्या कदम उठाने होंगे?

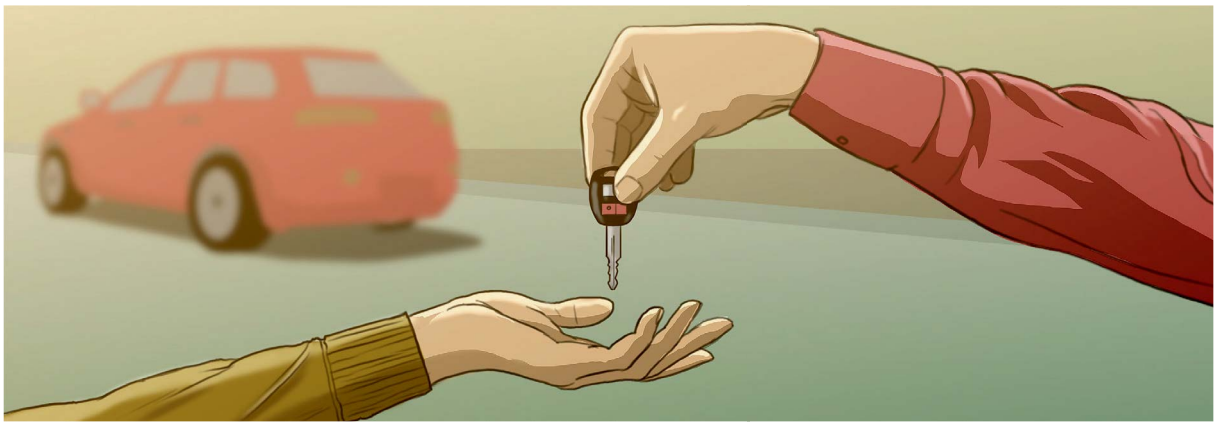

**अगर आप अपने दोस्त को तोहफे में एक कार देते हैं तो आप उसकी चाबियाँ खुद नहीं रखेंगे और न ही ज़िद करेंगे कि आप ही उसे चलाएँगे। इसी तरह, जब आप अपना जीवन यहोवा को समर्पित कर देते हैं तो आप उसे उसके हवाले कर रहे होते हैं। अब वह आपके जीवन का मालिक है**


www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

## बपतिस्मा लेने से पहले एक इंसान को अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित करना होता है।

(*सिखाती है* किताब के अध्याय 18 के पैराग्राफ 14-16 देखें।)

**व्यवस्थाविवरण 6:15; मरकुस 8:34 पढ़िए।**

समर्पण का मतलब क्या है?

**1 पतरस 4:2 पढ़िए।**

समर्पण के बाद एक इंसान की इच्छाओं और लक्ष्यों का क्या होता है?

परमेश्वर को खुश करने के लिए आपने क्या बदलाव किए हैं? आप आगे और कौन-से बदलाव करना चाहेंगे?



www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

## 3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

**मसीहियों को प्रचार करने की ज़रूरत नहीं है। परमेश्वर बस चाहता है कि हम अच्छे इंसान बनें।**

आप कह सकते हैं . . .

**कई लोग ऐसा मानते होंगे। लेकिन मैं मानता हूँ कि दूसरों को प्रचार करना मेरा फर्ज़ है क्योंकि . . .**

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

**सिर्फ कट्टरपंथी लोग अपना सारा जीवन परमेश्वर को समर्पित करते हैं।**

आप कह सकते हैं . . .

**माना कि परमेश्वर नहीं चाहता कि हम कट्टरपंथी बनें, मगर वह यह ज़रूर चाहता है कि हम पूरे दिल से उसकी भक्ति करें। वह हमारी भक्ति का *हकदार* है। और मैं ऐसा इसलिए मानता हूँ क्योंकि . . .**

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____


www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania